आधार ने ऐसे लोगों को पहचान दी है, जिनकी पहले कोई पहचान न थी

जयपुर। राज्यों द्वारा आधार के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यू.आई.डी.ए.आई.) क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली ने 26 अगस्त को भामाशाह टेक्नो हब, जयपुर में आधार उपयोग को सरल बनाने के लिए हालिया पहल पर एक राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें कहा गया कि आधार देश के सबसे बड़े नवाचार में से एक साबित हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि आधार ने बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को पहचान दी है, जिनकी पहले कोई पहचान नहीं थी। आधार द्वारा दी गयी सुविधाओं का पैमाना पूरी दुनिया में निराला है। कार्यशाला की अध्यक्षता आशीष गुप्ता, भा. प्र. से. आयुक्त और संयुक्त सचिव सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग राजस्थान सरकार ने की। कार्यशाला में राज्य सरकार, बैंकों, बी.एस.एन.एल.ए डाक विभाग, राष्ट्रीय सूचना केंद्र और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के चार सत्रों में आधार पारिस्थितिकी तंत्र में जोड़े गए नवीनतम प्रमाणीकरण सुविधाओं, आधार के अभिनव उपयोग के मामले और राजस्थान में लागू सर्वोत्तम प्रथाओं, डेटा गोपनीयता और सूचना सुरक्षा, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और आधार सक्षम भुगतान प्रणाली पर विचार विमर्श किया गया। सत्रों में एम आधार ऐप, आधार ऑनलाइन सेवाओं और यू.आई.डी.ए.आई ने आधार नामांकन और अपडेशन सेवाओं को निवासियों के लिए एक घर्षण रहित अनुभव बनाने के प्रयास कैसे किए, इस पर भी विस्तार से बताया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में अतुल चौधरी, डीडीजी एचआर ए यूआईडीएआई (मुख्यालय) ने आधार पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और जोर दिया कि निवासी डेटा सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और यू.आई.डी.ए.आई. निवासी के आधार डेटाबेस की सुरक्षा और गोपनीयता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर संजय कुमार सोहानी, उप महानिदेशक यूआईडीएआई ने बताया कि कैसे आधार भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का मूल बन गया है। डिजिटल विभाजन को पाट दिया है। ई-केवाईसी सेवाओं को सक्षम किया है। मोबाइल के माध्यम से दरवाजे पर बैंकिंग सेवा प्रदान करना और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के जरूरतमंद और योग्य लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे नकद हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की है। आशीष गुप्ता आयुक्त और संयुक्त सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग राजस्थान सरकार ने यूआईडीएआई टीम के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यूआईडीएआई द्वारा की गई सर्वोत्तम प्रथाओं और हाल की पहलों को साझा करना इस कार्यशाला की महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है।

Daimik Bhaskar Pg 11, Daimik Navjyot 28/8/22